हर इंसान-एक समान | एक राष्ट्र-एक जान | मेरा भारत महान

समता आन्दोलन समिति (रजि.)

प्रान्तीय कार्यालय :जी-3, संगम रेजीडेन्सी, प्लाट नं. 9-10, गंगाराम की ढाणी, वैशाली नगर, जयपुर

Website :www.samtaandolan.co.in Email :samtaandolan@yahoo.in

माननीय श्री पानाचन्द जैन
संरक्षक (पूर्व न्यायाधिपति)

माननीय श्री अशोक कुमार सिंह
संरक्षक (पूर्व मेजर जनरल)

माननीय श्री भागीरथ शर्मा
संरक्षक (पूर्व आई. ए. एस.)

पाराशर नारायण शर्मा
अध्यक्ष, मो. 094133-89665

विमल चौरड़िया
महासचिव , मो. 094140-58289

ललित चाचाण
कोषाध्यक्ष , मो. 094140-95368

प्रान्तीय उपाध्यक्ष एवं
पदेन सम्भागीय अध्यक्ष :-

जयपुर
ऋषिराज राठौड़
मो. 9694348039

अजमेर
एन. के.झामड़
मो. 9414008416

बीकानेर
वाई. के. योगी
मो. 9414139621

भरतपुर
हेमराज गोयल
मो. 9460926850

जोधपुर
कैलाश राजपुरोहित
मो. 8963095311

कोटा
डॉ. अनिल शर्मा
मो. 9414662244

उदयपुर
दूल्हा सिंह चूण्डावत
मो. 9571875488

क्रमांक 53798 दिनांक : 04.12.2020

श्रीमान श्रीपद येसो नाइक साहेब,
माननीय मंत्री महोदय,
आयुष मंत्रालय, भारत सरकार,
नई दिल्ली।

विषयः– कोविड–19 महामारी के उपचार हेतु भारत सरकार के आयुष मंत्रालय द्वारा जारी प्रोटोकॉल के सघन प्रचार–प्रसार हेतु।

महोदय,

विनम्र निवेदन है कि आप द्वारा दिनांक 06.10.2020 को केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री के साथ एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में कोविड–19 महामारी से बचाव, उपचार और स्वास्थ्य लाभ के लिए जो आयुर्वेद एवं योग–प्राणायाम आधारित प्रोटोकॉल जारी किया गया है उसके लिए पूरे देश की ओर से आपको साधुवाद है। इस प्रोटोकॉल में जिन औषधियों एवं आचार–व्यवहार संबंधी उल्लेख किये गये हैं वे सहज सुलभ होने के साथ–साथ बेहद प्रभावकारी भी हैं। हमने आयुर्वेद के जितने भी अनुभवी और मूर्धन्य विद्वानों से आप द्वारा जारी उपर्युक्त प्रोटोकॉल पर चर्चा की तो वे सभी इस प्रोटोकॉल में उल्लेखित औषधियों एवं आचार–व्यवहार के निर्देशों को कोरोना महामारी को जड़ से समाप्त करने के लिए बेहद प्रभावकारी मान रहे हैं। आपके इस सद्प्रयास की सभी विद्वान भूरी–भूरी प्रसंशा कर रहे हैं। आपको पुनः साधुवाद।

आयुर्वेद से जुड़े देशव्यापी अधिकारियों, पदाधिकारियों, चिकित्सकों और नर्सेज को यह बात समझ में नहीं आ रही है कि भारतीय चिकित्सा पद्धति पर आधारित उपर्युक्त प्रोटोकॉल को व्यापक रूप से प्रचारित क्यों नहीं किया जा रहा है। हमने उपर्युक्त प्रोटोकॉल के सारांश को एक सहज, सुबोध, सुगम्य पैम्फलेट का रूप दिया है जो हमसे जुड़े हुये आयुर्वेद के लब्धप्रतिष्ठित विद्वानों की देखरेख में तैयार किया गया है। हमारी आपसे प्रार्थना है कि आप उपर्युक्त प्रोटोकॉल के सारांश को पूरे देश के घर–घर में पहुंचा कर कोविड–19 की महामारी को जड़मूल से समाप्त करने के लिए इस ज्ञापन के साथ संलग्न एक पृष्ठ के पैम्फलेट का व्यापक प्रचार–प्रसार करावें। यदि आप अति आवश्यक समझें तो इस पैम्फलेट में कुछ फेर–बदल भी करवा सकते है लेकिन कृपया इसकी शब्द संख्या इतनी ही सीमित में रहे तो अच्छा है।

हम आपको आयुर्वेद और मानवता के हित में उपर्युक्त प्रोटोकॉल के सारांश (संलग्न पैम्फलेट) का बहुत कम खर्चे में बहुत सघन और व्यापक प्रचार–प्रसार करने के अनेक सुझाव दे रहे हैं, जिनमें से आप सभी को या कुछ को अपना कर इस संकट काल से आयुर्वेद के जरिये पूरे देश को उबार सकते हैः–

1. आयुष मंत्रालय द्वारा सभी राष्ट्रीय और प्रदेश स्तर के टीवी चैनलों पर आयुर्वेद विशेषज्ञों को बुलवाकर उपर्युक्त प्रोटोकॉल में उल्लेखित औषधियों और आचार–व्यवहार के द्वारा कोविड–19 महामारी के उपचार की प्रक्रिया को आम जनता के सामने वैज्ञानिक ढंग से समझाया जावे। इन औषधियों के घटकों का क्या–क्या वैज्ञानिक महत्व (साइन्टिफिक वैल्यूज) हैं उसे इलेक्ट्रोनिक मीडिया पर परिचर्चा के माध्यम से एवं प्रिन्ट मीडिया पर आलेखों के माध्यम से आम जनता तक बार–बार लगातार पहुंचाया जावे।

(लगातार–– 2)

समता आन्दोलन समिति (रजि.)

प्रान्तीय कार्यालय :जी-3, संगम रेजीडेन्सी, प्लाट नं. 9-10, गंगाराम की ढाणी, वैशाली नगर, जयपुर

Website :www.samtaandolan.co.in Email :samtaandolan@yahoo.in

माननीय श्री पानाचन्द जैन
संरक्षक (पूर्व न्यायाधिपति)

माननीय श्री अशोक कुमार सिंह
संरक्षक (पूर्व मेजर जनरल)

माननीय श्री भागीरथ शर्मा
संरक्षक (पूर्व आई. ए. एस.)

पाराशर नारायण शर्मा
अध्यक्ष, मो. 094133-89665

विमल चौरड़िया
महासचिव , मो. 094140-58289

ललित चाचाण
कोषाध्यक्ष , मो. 094140-95368

प्रान्तीय उपाध्यक्ष एवं पदेन सम्भागीय अध्यक्ष :-

जयपुर
ऋषिराज राठौड़
मो. 9694348039

अजमेर
एन. के.झामड़
मो. 9414008416

बीकानेर
वाई. के. योगी
मो. 9414139621

भरतपुर
हेमराज गोयल
मो. 9460926850

जोधपुर
कैलाश राजपुरोहित
मो. 8963095311

कोटा
डॉ. अनिल शर्मा
मो. 9414662244

उदयपुर
दूल्हा सिंह चूण्डावत
मो. 9571875488

क्रमांक (2) दिनांक :

2. आयुष मंत्रालय द्वारा राज्यसभा और लोकसभा के सभी सांसदों को उपर्युक्त प्रोटोकॉल एवं इसके सारांश (पैम्फलेट) की प्रतियॉ भेज कर उनसे अपने–अपने संसदीय क्षेत्रों में इन्हें अखबारों में सांसद–निधी से खर्च करके बड़े–बड़े विज्ञापनों के जरिये आम नागरिकों तक पहुंचाने का आग्रह किया जावे। अपने क्षेत्रों में सक्रिय इलेक्ट्रोनिक मीडिया के चैनलों पर विज्ञापन देने का आग्रह किया जावे। सभी सांसदों को व्यक्तिगत रूप से अपने क्षेत्रों में घूम–घूम कर आम नागरिकों को उपर्युक्त प्रोटोकॉल एवं इसके सारांश (पैम्फलेट) की जानकारी देने व पालना सुनिश्चित कराने का आग्रह किया जावे।

3. आयुष मंत्रालय द्वारा सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों एवं स्वास्थ्य मंत्रियों को पत्र लिखकर आग्रह किया जावे कि वे उपर्युक्त प्रोटोकॉल एवं इसके सारांश (पैम्फलेट) को अपने–अपने प्रदेश के सभी नागरिकों के घर–घर में पहुंचाने और पालना सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रदेशों में हजारों–हजारों की संख्या में कार्यरत आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा सहयोगीनियों, आयुर्वेद चिकित्सकों, आयुर्वेद नर्सेज, पंच–सरपंचों, वार्ड पार्षदों आदि की मदद लेवें।

4. आयुष मंत्रालय द्वारा सभी प्रदेशों के विधानसभा अध्यक्षों को पत्र लिख कर आग्रह किया जावे कि वे अपने–अपने प्रदेश के सभी विधायकों से लिखित अनुरोध करें कि उपर्युक्त प्रोटोकॉल एवं इसके सारांश (पैम्फलेट) की प्रतियॉ भेज कर उनसे अपने–अपने विधानसभा क्षेत्रों में इन्हें अखबारों में विधायक–निधी से बड़े–बड़े विज्ञापनों के जरिये आम नागरिकों तक पहुंचाने का आग्रह किया जावे। अपने क्षेत्रों में सक्रिय इलेक्ट्रोनिक मीडिया के चैनलों पर विज्ञापन देने का आग्रह किया जावे। सभी विधायकों को व्यक्तिगत रूप से अपने क्षेत्रों में घूम–घूम कर आम नागरिकों को उपर्युक्त प्रोटोकॉल एवं इसके सारांश (पैम्फलेट) की जानकारी देने व पालना सुनिश्चित कराने का आग्रह किया जावे।

हम यहां यह स्पष्ट कर देना चाहते हैं कि जहॉ–जहॉ भी सांसद और विधायक गण अपनी सांसद–निधी या विधायक–निधी से संलग्न पैम्फलेट को प्रचारित करवाते हैं वहां–वहां वे इस पैम्फलेट के नीचे लिखे गये "समता आन्दोलन समिति" के नाम की जगह स्वयं का नाम लिख कर के प्रचारित करवायें ताकि यह पैम्फलेट उनके क्षेत्रों में अधिक प्रभावशाली रूप से प्रचारित हो सके।

5. यदि आपको उपर्युक्त में से कोई भी प्रस्ताव उचित नहीं लगे तो आप कृपया हमें अर्थात समता आन्दोलन समिति को उपर्युक्त प्रोटोकॉल एवं इसके सारांश (पैम्फलेट) के प्रचार–प्रसार के लिए अधिकृत कर देवें। हम अपने स्तर पर जितना अधिक से अधिक संभव हो सकेगा उतना इसे प्रचारित करेंगें और आयुर्वेद के आधार पर भारत देश को कोविड–19 से मुक्त करवाने का प्रयास करेंगे।

त्वरित सकारात्मक कार्यवाही के लिए अग्रिम धन्यवाद।

भवदीय,

(पाराशर नारायण शर्मा)
अध्यक्ष
समता आन्दोलन समिति

संलग्नः– उक्त पैम्फलेट

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय का आह्वान

आयुर्वेद अपनाइये, कोरोना भगाइये।

मान्यवर,

हजारों वर्षों से परखी हुई भारतीय चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद एवं योग पर आधारित कोविड–19 (कोरोना) महामारी से बचाव, उपचार एवं स्वास्थ्य लाभ के लिए भारत सरकार आयुष मंत्रालय द्वारा प्रबन्धन प्रोटोकॉल दिनांक 06.10.2020 को जारी किया गया है। यह प्रोटोकॉल राष्ट्रीय स्तर पर आयुर्वेद और योग के छः प्रतिष्ठित संस्थानों (AIA, IPGTRA, NIA, CCRAS, CCRYN और अन्य राष्ट्रीय शोध संगठनों) के विशेषज्ञों द्वारा तैयार किया गया है।

1. कोविड–19 से बचाव के उपाय :

A. सामान्य और शारीरिक उपाय : (i) शारीरिक दूरी, श्वसन और हाथ की स्वच्छता रखें, मास्क पहनें (ii) एक–एक चुटकी हल्दी और नमक के गर्म पानी से गरारे करें (iii) घर से बाहर जाने और वापस आने पर अणु तैल/षड्बिन्दु तैल/तिल तैल/नारियल तैल या गाय का घी नाक में डालें (iv) अजवाईन या पुदीना या नीलगिरि तैल के साथ दिन में एक बार भाप लेना (v) नींद 7–8 घंटे (vi) मध्यम शारीरिक व्यायाम तथा (vii) योग (प्राणायाम आदि) प्रोटोकॉल (संलग्नक–एक व दो) का पालन करें।

B. आहार सम्बन्धी उपाय: (i) अदरक या धनिया या तुलसी या जीरा डालकर उबला हुआ पानी पीएँ (ii) ताजा, गर्म, संतुलित आहार लें (iii) रात्रि में गोल्डन मिल्क (150 मिली गर्म दूध में तीन ग्राम हल्दी चूर्ण) लेवें (iv) आयुष काढ़ा दिन में एक बार लेवें।

C. उच्च जोखिम आबादी या सम्पर्कों में कोविड–19 से बचने के लिए: (i) अश्वगंधा का 500 मिलीग्राम एक्स्ट्रेक्ट या 1–3 ग्राम चूर्ण एक माह तक दिन में दो बार गर्म पानी से लें (ii) गुडूची घनवटी/गिलोय घनवटी/संशमनी वटी का 500 मि.ग्रा. एक्स्ट्रेक्ट या 1–3 ग्राम चूर्ण एक माह तक दिन में दो बार गर्म पानी से (iii) च्यवनप्राश 10 ग्राम गर्म पानी/दूध के साथ प्रति दिन लेवें।

2. लक्षण रहित कोविड–19 पोजिटिव मरीज का उपचार :

(I) गुडूची घनवटी/गिलोय घनवटी/संशमनी वटी का 500 मिलीग्राम एक्स्ट्रेक्ट या 1–3 ग्राम चूर्ण एक माह तक दिन में दो बार गर्म पानी से (ii) गुडूची + पिप्पली का जलीय एक्स्ट्रेक्ट 375 मिलीग्राम लगातार 15 दिनों तक गर्म पानी से दिन में दो बार (iii) आयुष–64 (500 मिलीग्राम) लगातार 15 दिनों तक दिन में दो बार गर्म पानी से लेवें।

3. हल्का कोविड–19 पोजिटिव मरीज का उपचार : (बुखार, थकान, सूखी खाँसी, गले में खरास, नाक बंद लेकिन श्वास फूलने से पहले)

(I) गुडूची + पिप्पली का जलीय एक्स्ट्रेक्ट 375 मिलीग्राम लगातार 15 दिनों तक दिन में दो बार गर्म पानी से (ii) आयुष–64 (500 मिलीग्राम) लगातार 15 दिनों तक दिन में दो बार गर्म पानी से लेवें।

4. हल्का कोविड–19 पोजिटिव मरीज का विशेष उपचार :

(I) शारीरिक दर्द/ सिरदर्द के साथ बुखार के लिए नागरादि कषाय (ii) खाँसी के लिए शहद के साथ सितोपलादि चूर्ण गले में खरास/स्वाद में कमी के लिए व्योषादि वटी (iii) थकान के लिए च्यवनप्राश (iv) हाइपोक्सिया के लिए वासावलेह (v) दस्त के लिए कुटज घनवटी और श्वास फूलने पर कनकासव भी संलग्नक–3 के अनुसार या आयुर्वेद चिकित्सक के परामर्श अनुसार ले सकते हैं।

5. कोविड–19 पश्चात् उपचार : (i) अश्वगंधा का एक्स्ट्रेक्ट 500 मिलिग्राम या चूर्ण 1–3 ग्राम एक माह तक गर्म पानी से दिन में दो बार (ii) च्यवनप्राश 10 ग्राम प्रतिदिन गर्म पानी/दूध के साथ एक बार (iii) रसायन चूर्ण एक माह तक प्रतिदिन शहद के साथ दो बार।

6. कोविड–19 की रोकथाम के लिए तथा कोविड–19 के बाद परिचर्या के लिए योग (प्राणायाम आदि):

संलग्नक–1 एवं 2 में योग प्रोटोकॉल 45 मिनिट एवं 30 मिनिट की अलग–अलग सारणी में बताये गये हैं, इनकी नियमित पालना भी आवश्यक है।

नोटः– उपर्युक्त प्रोटोकॉल (तीनों संलग्नकों सहित) की विस्तृत जानकारी भारत सरकार आयुष मंत्रालय की वेबसाईट पर एवं समता आंदोलन की वेबसाइट www.samtaandolan.co.in के होम पेज पर उपलब्ध है जिसका गम्भीरता से अवलोकन और पालन करेंगे तो शीघ्र ही भारत देश कोविड–19 से मुक्त हो जायेगा। कृपया आयुर्वेद एवं मानवता की सेवा के लिए इस पैम्फलैट को लगातार प्रचारित करते रहें। सादर।

निवेदक : समता आन्दोलन समिति (रजि.)

Indu Printers, Bkn # 9828579704